[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4009 **C**

Unique Paper Code : 12051101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय दीजिए। (14)

अथवा

आधुनिक काल में हिंदी की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

2. हिंदी भाषा के क्षेत्रगत विस्तार का विवेचन कीजिए। (14)

अथवा

राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. लिपि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भाषा और लिपि के अंत:संबंध पर विचार कीजिए। (14)

अथवा

भारत में लिपि के क्रमिक विकास का वर्णन कीजिए।

4. देवनागरी लिपि के मानकीकरण का विश्लेषण कीजिए। (14)

अथवा

देवनागरी लिपि और कंप्यूटर के अंत:संबंध पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्ही **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) राष्ट्र भाषा के रूप में हिंदी

(ख) पश्चिमी हिंदी की बोलियाँ

(ग) संचार भाषा

(घ) आदर्श लिपि का स्वरूप

(ङ) राजस्थानी बोली वर्ग (6,6,7)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4058 C

Unique Paper Code : 12051102

Name of the Paper : हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

Name of the Course : B.A. (Hons.) HINDI – CBCS

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'अमीर खुसरो लोकमन के चितेरे कवि हैं।' विवेचन कीजिए।

अथवा

विद्यापति की सौंदर्य-चेतना पर प्रकाश डालिए। (12)

2. कबीर की सामाजिक-चेतना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

मंझन रचित 'मधुमालती' के काव्य-शिल्प का विश्लेषण कीजिए। (12)

3. सूरदास के वात्सल्य-वर्णन का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

अथवा

मीरा की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। (12)

4. कवितावली के काव्य-सौंदर्य पर चर्चा कीजिए।

अथवा

तुलसीदास कृत कवितावली की काव्य-भाषा का विश्लेषण कीजिए। (12)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) काहे को ब्याही विदेस रे, लखि बाबुल मोरे !

हम तो बाबुल तोरे बागों की कोयल कुहकत घर-घर जाऊं,
लखि बाबुल मोरे।

हम तो बाबुल तोरे खेतों की चिड़िया, चुग्गा चुगत उड़ि जाऊं,
लखि बाबुल मोरे।

हम तो बाबुल तोरे बेले की कलियाँ, जो मांगे चली जाऊं, लखि बाबुल मोरे ।

हम तो बाबुल तोरे खूंटे की गइया, जित हांको हंक जाऊं, लखि बाबुल मोरे ।

अथवा

ए सखि पेखलि एक अपरूप। सुनइत मानब सपन-सरूप ।।
कमल गुजल पर चाँदक माला। ता पर उपजल तरुन तमाला ।।
ता पर बेढ़लि बिजुरि-लता। कालिंदी-तट घिरें-घिरें जाता ।।
सखा-सिखर सुधाकर पाँति। ताहि नब पल्लब अरुनिम काँति ।।
बिमल बिंबफल गुजल बिकास। तापर कीर थीर करु बास ।।
तापर चंचल खंजन-जोर। तापर साँपिनि झाँपल मोर ।।
ए सखि-रंगिनि, कहल निसान। हेरइत पुनि मोर हरल गिआन ।।
कवि विद्यापति एह रस भान। सुपुरुख-मरम तोहें भत्र जान ।।

(8)

(ख) अधर अमिअ रस भरे सोहाए। पेम बरें हुत रगत तिसाए।
अति सुरंग कोंवल रस भरे। जानहु बिंब मयंकम धरे।
पटतर लाइ न जाहिं बखाने। जानु ससि अमी गारि बिधि साने।

अधर अमीरस भरे अपीऊ। कुंवर जान मोर डोलहिं जीऊ।
वह सो घरी विधि कब दरसाइहि। जब यह जिउ मोरे घट आइहि।
अनल बरन दुइ अधर सोहागिनि जगत सुधानिधि जान।
अचिजु जो अंब्रित अगिनि सेउं देखत जरहिं परान ।।

अथवा

पग बाँध घूँघरयाँ णाच्याँ री ।।
लोग कहयाँ मीरा बावरी, सासु कह्याँ कुलनासी री।
विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीरा हाँसाँ री।
तण मण वारयाँ परि चरिणामाँ दरसण अमरित प्यासाँ री ।
मीरा रे प्रभु गिरधर नागर, थारी सरणाँ आस्याँ री ।। (7)

6. निम्नलिखित पदयांशों में दिए गए निर्देश के अनुसार **किन्हीं दो** का रचना-कौशल विश्लेषित कीजिए : (6×2=12)

(क) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं।
हंस सुता की सुंदर कगरी, अरु कुंजनि की छाहीं।
वै सुरभी, वै बच्छ दोहनी, खरिक दुहावन जाहीं।
ग्वाल-बाल मिलि करत कुलाहल, नाचत गहि गहि बाहीं।

यह मथुरा कंचन की नगरी, मनि मुक्ताहल जाहीं।
जबहिं सुरति आवति वा सुख की, जिय उमगत तन नाहीं।
अनगन भाँति करी बहु लीला, जसुदा नंद निबाहीं।
सूरदास प्रभु रहै मौन ह्वै, यह कहि कहि पछिताहीं ।।

(भाव सौंदर्य)

अथवा

मुखपंकज, कंजबिलोचन मंजु, मनोज-सरासन-सी बनी भौहैं।
कमनीय कलेवर, कोमल स्यामल-गौर किसोर, जटा सिर सोहैं।।
तुलसी कटि तून, धरे धनु-बान, अचानक दिष्टि परी तिरछोहैं।
केहि भाँति कहाँ सजनी! तोहिं सों, मृदु मूरति द्वै निवर्सी मन मोहैं।

(रूप वर्णन)

(ख) काहे री नलनी तू कुमिलांनी। तेरे हीं नालि सरोवर पांनीं ।।
जल मैं उतपति जल मैं बासं जल मैं नलनीं तोर निवास ।।
ना तलि तपति न ऊपरी आगि। तोर हेतु कहु कासनि लागि ।।
कहैं कबीर जे उदिक समांन। ते नहीं मूए हंमारे जान ।।

(प्रतीकात्मकता)

अथवा

छापा-तिलक तज दीन्ही रे, तो से नैना मिला के।
प्रेम बटी का मदवा पिलाके
मतवारी कर दीन्ही रे, मो से नैना मिला के।
खुसरो निज़ाम पै बलि-बलि जइए,
मोहे सुहागन कीन्ही रे, मोसे नैना मिला के। (भाषा-सौंदर्य)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4404 **C**

Unique Paper Code	:	12055103
Name of the Paper	:	Social Media (SEC)
Name of the Course	:	**B.A. (H) HINDI – CBCS**
Semester	:	III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों अनिवार्य हैं ।

1. सोशल मीडिया की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरुप पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

सोशल मीडिया के विकास के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए।

2. जन जागरूकता की बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

सोशल मीडिया जनसम्पर्क का एक मजबूत सेतु है विवेचना कीजिए।

3. इंटरनेट के आगमन से सूचना-जगत में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं- इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

सोशल मीडिया ने विचारों को भी ब्रांड में बदल दिया है - इस कथन के पक्ष और विपक्ष पर अपने विचार दीजिए।

4. सोशल मीडिया ने बाल मन को किस प्रकार प्रभावित किया है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

सोशल मीडिया ने सामाजिक मूल्यों को परिवर्तित करने में अहम भूमिका निभायी है- इस कथन पर विचार कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (9+9+9=27)

(क) सोशल मीडिया और उपभोक्ता

(ख) लोकतंत्र में सोशल मीडिया की भूमिका

(ग) सोशल मीडिया और स्त्री

(घ) सोशल मीडिया और भाषा

(ङ) ट्विटर और फेसबुक

(3000)

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4474 **C**

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Hindi - CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों अनिवार्य हैं ।

1. मध्कालीन बोध और आधुनिक बोध में अंतर स्पष्ट करते हुए आधुनिक बोध को व्याख्यायित कीजिए।

अथवा

खड़ी बोली आंदोलन में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान की चर्चा कीजिए। (15)

2. हिंदी उपन्यास का विकासात्मक परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी नाटक की विकास-ययात्रा का विवेचन कीजिए। (15)

3. प्रगतिवादी काव्य के परिवेश और प्रवृतियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नई कविता नवीन भाव बोध और नवीन शिल्प विधान की कविता है- इस आधार पर नई कविता की मूल प्रवृत्तियों का उद्‌घाटन कीजिए। (15)

4. साठोत्तरी कविता की प्रमुख विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

स्त्री विमर्श, स्त्री स्वातंत्रय के किन बिन्दुओं पर आधारित हैं- विस्तारपूर्वक उत्तर दीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) नवजागरण और भारतेन्दु युग

(ख) हिन्दी आलोचना

(ग) छायावाद

(घ) साहित्यिक पत्रकारिता

(5000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4497 **C**

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल-छायावाद तक)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8,7)

(क) देखते देखा मुझे तो एक बार

उस भवन की ओर देखा, छिन्नतार;

देखकर कोई नहीं,

देखा मुझे उस दृष्टि से

P.T.O.

जो मार खा रोयी नहीं,

सजा सहज सितार,

सुनी मैंने वह नहीं

जो थी सुनी झंकार

अथवा

जागी किसकी वाष्पराशि, जो सूने में सोती थी?

किसकी स्मृति के बीज उगे ये, सृष्टि जिन्हें बोती थी?

अरी वृष्टि, ऐसी ही उनकी दया-दृष्टि रोती थी,

विश्व-वेदना की ऐसी ही चमक उन्हें होती थी।

(ख) आह रे, वह व्यतीत जीवन !

तुम्हारी आँखों का बचपन !

साथ ले सहचर सरस वसन्त,

चंक्रमण करता मधुर दिगन्त,

गूँजता किलकारी निस्वन,

घपुलक उठता तब मलय-पवन।

अथवा

राजा रंक से बना करके यश, मान, मुकुट पहना करके,
बाँहों पर मुझे उठा करके, सामने जगत के ला करके,
करतब क्या-क्या न किया उसने, मुझको नव-जन्म दिया उसने।

2. "सखि! वे मुझसे कहकर जाते" गीत का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

यशोधरा की कथावस्तु का विवेचन कीजिए।

3. पाठ्यक्रम में संकलित "लहर" की कविताओं के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। (12)

अथवा

"अरी वरुणा की शांत कछार" कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. निराला की काव्यभाषा की प्रमुख विशेषताओं पर सौदाहरण विचार कीजिए। (12)

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता की मूल संवेदना का वर्णन कीजिए।

5. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा में सुभद्रा कुमारी चौहान के योगदान का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

"रश्मिरथी" के तृतीय सर्ग का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिये।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का निर्देशानुसार रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए? (6,6)

(क) मैं उन्मत्त प्रेम की लोभी
हृदय दिखाने आई हूँ,
जो कुछ है, वह यही पास है,
इसे चढ़ाने आई हूँ। (भक्तिभावना)

(ख) दिवसावसान का समय
मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुंदरी
परी-सी धीरे धीरे धीरे। (बिम्ब और प्रतीक योजना)

(ग) जहाँ साँझ-सी जीवन-छाया,
ढो ले अपनी कोमल-काया,
नील नयन से ढुलकाती हो,
ताराओं की पाँति घनी रे! (भावार्थ)

01/12
(M)

कोर्स : बी० ए० (आनर्स) हिंदी

यूनिक पेपर कोड : 12053301_OC

शीर्षक : विज्ञापन और हिंदी भाषा

सेमेस्टर : III

SNO-4564

पूर्णांक – 75 **समय : तीन घंटे**

आवश्यक निर्देश –

1. उत्तर के पूर्व प्रश्नों को अच्छी तरह समझने का प्रयास कीजिए।
2. छह प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
3. प्रत्येक प्रश्न 18.75 अंक का होगा।

1. विज्ञापन की परिभाषाा देते हुए उसके सामाजिक उद्देश्य की विवेचना कीजिए।
2. ब्रांड निर्माण और ब्रांड बाजार के विस्तार में विज्ञापन के महत्व का विश्लेषण कीजिए।
3. रेडियो विज्ञापन के कॉपी लेखन की विशेषताओं को सुस्पष्ट कीजिए।
4. विज्ञापन की भाषागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
5. प्रिंट माध्यम के लिए वर्गीकृत एवं सजावटी विज्ञापन निर्माण की प्रक्रिया को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
6. प्रयोजित कार्यक्रम और विज्ञापन के अन्तर्संबंध का विश्लेषण कीजिए।

10

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4035 **C**

Unique Paper Code : 12051501

Name of the Paper : Pashchatya Kavyashastra

Name of the Course : **HINDI (Hons.)**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

लोंजाइनस के उदात्त सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

2. कॉलरिज के काव्यभाषा संबंधी मान्यताओं का परिचय दीजिए। (12)

P.T.O.

अथवा

टी.एस.इलियट की परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा संबंधी अवधारणा को स्पष्ट करें।

3. स्वच्छंदतावाद की अवधारणा पर प्रकाश डालें। (12)

अथवा

मार्क्सवादी आलोचना का सामान्य परिचय दीजिए।

4. बिम्ब को स्पष्ट करते हुए काव्य में उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

विसंगति और विडंबना की अवधारणा को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए – (9,9,9)

(क) त्रासदी

(ख) कॉलरीज का कल्पना सिद्धांत

(ग) फैन्टेसी

(घ) उत्तर संरचनावाद

(ङ) प्रतीक

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4076 **C**

Unique Paper Code : 12051502

Name of the Paper : हिन्दी नाटक/एकांकी

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) छोटे चित्त भीरू बुद्धि मन चंचल बिगत उछाह ।
उदर-भरन-रत, ईस विमुख सब भए प्रजा नरनाह ।।
इनसों कछु आस नहिं ये तो सब विधि बुद्धि-बलहीन ।
बिना एकता बुद्धि-कला के भए सबहि विधि दीन ।।

अथवा

हा! भारतवर्ष को ऐसी मोहानिद्रा ने घेरा है कि अब इसके उठने की आशा नहीं। सच है, जो जान बूझकर सोता है उसे कोन जगा सकेगा? हा दैव। तेरे विचित्र चरित्र हैं, जो कल राज करता था वह आज जूते में टाँक उधार लगवाता है।

(ख) शास्त्रों में अनुकूल और प्रतिकूल दोनों तरह की बातें मिल सकती है परन्तु जिस प्रथा के लिए विधि और निषेध दोनों तरह की सूचनाएँ मिले, तो इतिहास की हि से वह उस काल में सम्भाव्य मानी जाएँगी। हाँ, समय-समय पर उनमें विरोध और सुधार हुए होंगे और होते रहेंगे। मुझे तो केवल यही देखना है कि इस घटना की संभावना इतिहास की दृष्टि से उचित है कि नहीं।

अथवा

अर्थ! आप बोलते क्यों नहीं? आप धर्म के नियामक जिन स्त्रियों को धर्मबन्ध में बांधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार-कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपति में अवलम्ब मांग सकें? क्या भविष्य के सहयोग की कोरी कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं?

(ग) कौन कसूर भइल हमसे मैया

बिरवा गइल मुरझाय हो,

सींचत सींचत उसर सिरानी

नेकु नहीं हरिआय हो।

आपन खून पिरनवा न साथी

अंसुअन केहि पतिआय हो।

अथवा

सरदार साहब, राजा साहब, बाबू साहब, सबके साथ यही दिक्कत है। कम्बख्त जीवन की कला नहीं जानते; प्रियमान-से, निहत्थे फौजियों की तरह यह मौत तक खिसकते तक खिसकते जाते हैं, जब उन्होंने देखा कि मैं उन से भीख नहीं माँगता, उनके तलबे नहीं सहलाता, ग्रह नहीं बनाता, षड्यंत्र नहीं करता तो मुँह बा कर रह गये। जी हाँ, मुँह बा कर रह गये।

2. भारत दुर्दशा नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

नाटक के तत्त्वों के आधार पर भारत दुर्दशा का विश्लेषण कीजिए।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नायिका प्रधान नाटक है। समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में चित्रित मूल समस्या पर प्रकाश डालिए।

4. 'बकरी' नाटक वर्तमान राजनीति परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक है। विश्लेषण कीजिए। (12)

अथवा

'बकरी' एक प्रतीकात्मक नाटक है। समीक्षा कीजिए।

5. 'सूखी डाली' एकांकी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

शिल्प की दृष्टि से 'तीन अपाहिज' एकांकी का विश्लेषण कीजिए।

(1000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4136 **C**

Unique Paper Code : 12057501

Name of the Paper : **हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi/CBCS/ DSE-2**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×4=48)

(क) लोक साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए ।

अथवा

संस्कार गीतों का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

P.T.O.

(ख) श्रम गीतों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सोहर लोक गीत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) लोककथा और लोकगाथा के अंतर को स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

अथवा

लोकनाट्य के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए।

(घ) मालवा के लोकनाट्य माच की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

हरियाणा के सांग का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : (7+7=14)

(क) दूसरा दन उनीज तरे माँ ने खीर ने राबड़ी बणाई। सूरजनारायण थाली देखता जई रया था। माँ परासी री थी। उनने देख्या के उनकी थाली में खीर ने बऊ की थाली में राबड़ी है। अब तो उनके अचंभो होण लगे। माँ कईं जादू टोनो जाने है, या कईं बात है? खूब विचार में पड़ी ग्या वी तो। नी समज में अई तो उनके दोणी में झाँकी के दख्या। अरे त्हारी या बात है?

अथवा

छापक पेड़ छिठलिया त पतवन गहवर हो।
रामा, तेहि तर ठाढ़ि हरिनिया; मन अति अन मनि।।
चरइत चरत हरिनवा त, हरिनी से पूछड़ हो।
हरिनी ! कि तोर चरहा झुरान, कि पानी बिनु मुरझिउ

(ख) खेतन में लागी कटनिया हो राम।
माथे क झूमर झलाझल झलके,
खनके कलइया, कँगनवा हो राम।
मिलि जुलि के सखिया लाही बँधवाओ।
भरै चलो घर की बखरिया हो राम।।

अथवा

कट्ठी होकै न्हाण चलैंगी दोघड़ धरल्यो सिर पै।
गीत गावंती चालैंगी सब लग्न लगाल्यो हर पै।
सिर चोटी कै लगा बोरला, साहर और डाँडे बाली।
आँख्य मैं स्याही नाक मैं नथली जुल्फ नाग-सी काली।।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) रामलीला (7)

अथवा

कहावतें

(ii) नौटंकी (6)

अथवा

रासलीला

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4137 **C**

Unique Paper Code : 12057502

Name of the Paper : Hindi Bhasha Ka Vyavaharik Vyakaran

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भाषा को परिभाषित करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

हिंदी ध्वनियों का वर्गीकरण कीजिए।

P.T.O.

2. शब्द की परिभाषा देते हुए रचना के आधार पर उसके भेदों का उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

'कर्म' के आधार पर क्रिया के भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

3. पद के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

संज्ञा के कारकीय रूपों का वर्णन कीजिए।

4. वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के अंगों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए।

5. निर्देशानुसार निम्नलिखित के उत्तर दीजिए। (2×6)

(क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए -

शांती, आलोकीक, पारिमित, उज्जवल, कामीनी, सूरसरी, भगिरथी, दिनबन्धु

(ख) 'इक' और 'कार' प्रत्यय से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए।

(ग) किन्हीं चार शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए -

देवेन्द्र, दिगंबर, परोपकार, रजनीश, विद्यालय, सप्तर्षि, मुनीश, यद्यपि

(घ) किन्हीं **चार** का विग्रह करके समास का नाम लिखिए-

त्रिभुवन, दाल-चावल, पनचक्की, नीलांबर, गजानन, राजपुरुष, भयभीत, यथाशक्ति

(ङ) किन्हीं **चार** का रूप परिवर्तन करके भाववाचक संज्ञा बनाइए-

थकान, मानव, महान, बड़ा, मीठा, बूढ़ा, सुंदर, नारी

(च) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

(i) उसने अनेकों ग्रंथ लिखे।

(ii) पेड़ों पर तोता बैठा है।

(iii) उसने संतोष का सांस ली।

(iv) मैं पुस्तक को पढ़ता हूं।

6. टिप्पणी लिखिए – (8,7)

(i) संज्ञा के भेद

अथवा

अव्यय (अविकारी शब्द)

(ii) पदक्रम

अथवा

प्रेरणार्थक क्रिया

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4138 **C**

Unique Paper Code : 12057503

Name of the Paper : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi, CBCS, DSE-I**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारतीय संदर्भ में स्त्री मुक्ति आंदोलन पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आदिवासी विमर्श की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उनके आंदोलनों के विभिन्न कारणों को रेखांकित कीजिए । (15)

2. किन्हीं **तीन** अंशों की व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) लोहा काला होता है, इस वास्ते लोहे का यह जमाना कलूकाल

P.T.O.

है। फिरंगियों के जादूचाला से तुम्हारी मति इस भेद को पल्ले नहीं पालती कि उनके लिए लोहा ताकत है और तुम्हारे लिए 'कालाकाल' तुम समझो और भेद पाओ कि कलूकाल तुम्हारे लिए अंधेरा है। मैं तुम्हें अक्ल की विद्या सिखा कर जादूगरों के फैलाये अंधेरे से उबारने के वास्ते धरती पर परगट हुआ हूँ। इसके बाहर मेरा कोई मंसूबा नहीं है। तुम सब मुझ साध सैंगाजी की सीख पर नहीं चलोगे तो गारत में जाओगे।

अथवा

एक तरफ संबंध मोहब्बत की पुख्ता जमीन पर खड़ा हो रहा है, तो दूसरी ओर आत्म-सम्मान, तर्क की छेनी-हथौड़ी से संवेदना पर प्रहार कर उसे व्यथा के समंदर में धकेल रहा है। दिल कह रहा है कि आज की खूबसूरती जी लो, प्यार को दोनों हाथों की अंजुली में भरकर पी लो, न ज़ुबैर को निराश करो, न खुद को दुःखी, मगर चेतना उसे रोक रही है-भावना में मत बहो, ऐसी हज़ार हसीन रातें आएंगी, ज़रा इंतजार करो। आज के सुख के लिए कल का समझौता बहुत महंगा पड़ेगा, जहाँ दर्द के गलियारों में भटकन होगी। एबादत का सूरज बीच में ही डूब जाएगा। सारी रातें सियाह पड़ जाएँगी।

(ख) काली छाया-सी डोलती
सात भाइयों के बीच
चम्पा सयानी हुई।
ओखल में धान के साथ

कूट दी गई
भूसी के साथ कूड़े पर
फेंक दी गई।
वहां अमरबेल बन उगी।
झरबेरी के साथ कंटीली झाड़ों के बीच
चंपा अमरबेल बन सयानी हुई
फिर से घर आ धमकी।

अथवा

मारे थानेदरवा बोलाइ घरवा से हमें,
झूठइ बनावें गुनहगार।
जेलवा में मलवा उठावै मजबूर करें,
केउ नहिं सुनत गोहार।
देसवा अजाद अहै हम तो गुलमवां,
हमरे लिये न सरकार।
ऐसन कौनउ जुगुति लगावा भइया 'मितई'
हमरउ करावां उरधार।

(ग) इस्तीफे के बाद डॉ अंबेडकर ने कहा था कि जो योगदान वे भारतीय संविधान लिखकर नहीं कर पाए थे, उसे वे हिंदू कोड बिल के माध्यम से पूरा करना चाहते थे। इन तमाम जानकारियों के बाद स्वामी करपात्री जी के प्रति सातवें दर्जे में पढ़ते हुए जो अगाध श्रद्धा जागी थी, वह यकायक चकनाचूर हो गई। स्वामी करपात्री जी के बाद 'जनसंघ' पार्टी के उम्मीदवार ने,

जो रानीपुर इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल थे, हमारे स्कूल में एक सभा की। वे बार-बार राणा प्रताप तथा रानी लक्ष्मीबाई का गुणगान करते हुए भाषण देने लगे। हमें उनकी बातें बड़ी उबाऊ सी लगती थीं।

अथवा

स्त्री के जीवन की अनेक विवशताओं में प्रधान और कदाचित उसे सबसे अधिक जड़ बनाने वाली अर्थ से संबंध रखती है और रखती रहेगी, क्योंकि वह सामाजिक प्राणी की अनिवार्य आवश्यकता है। अर्थ का प्रश्न केवल उसी के जीवन से संबंध रखता है, यह धारणा भ्रान्ति-मूलक है। जहाँ तक सामाजिक प्राणी का संबंध है, स्त्री उतनी ही अधिक अधिकार-सम्पन्न है, जितना पुरुष; चाहे वह अपने अधिकारों का उपयोग करे या न करे। समाज न उनके उपयोग का मूल्य घटा सकता है और न बढ़ा सकता है, परन्तु उन बंधनों में कुछ ऐसे भी हो सकते हैं, जो केवल उसके लिए ही नहीं, वरन सबके लिए घातक सिद्ध होंगे।

3. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखो : (10×3=30)

(क) 'सलाम' कहानी में दलित चेतना

(ख) लिंगभेद

(ग) आदिवासी और पहचान का सवाल

(घ) क्रांतिवीर मदारी पासी-अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष

(ङ) निर्मला पुतुल की कविता का स्वर

(च) अन्या से अनन्या तक में नारी चेतना का स्वर

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4276 **C**

Unique Paper Code : 12057501

Name of the Paper : **हिंदी की मौखिक एवं लोक साहित्य परंपरा**

Name of the Course : **B.A (H) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (12×4=48)

(क) मौखिक साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य पर विचार कीजिए ।

अथवा

लोककथा एवं लोकनाट्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(ख) ऋतु गीतों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

जँतसारी स्त्री जीवन का मार्मिक चित्रण है - विश्लेषण कीजिए।

(ग) लोकगाथा सारङ्गा सदावृक्ष का परिचय दीजिए।

अथवा

वीरगाथा आल्हा का सोदाहरण परिचय दीजिए।

(घ) रामलीला की कतिपय विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

बिदेसिया नाट्य शैली के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए - (7+7=14)

(क) माँ ने ऊणीज दोनी में खीर ने राबड़ी राँधी. जदे जीमण बैठ्या तो अपणा बेटा की थाली में खीर मेली, न बउ आगे राबड़ी सूरजनारायण के खीर अच्छी लगी तो बडई करवा लागा. पण उनकी वेराँ के धणी की या बात समज में नी अइ। वा मनिज मन सोचवा लागि के आज खीर बणिज काँ है, जो ई खीर का वर्गीकरण असा गुण गई रिया है. जिमी चूँठी ने सुराजनारायण आराम करने गया, तो पास में जई ने बेरां ने पुछया के तम खीर को बडाइ करी रया।

अथवा

इंद्र कै बात सुनिके भगवान का संतोषु भा औ तब उई जमराज ते बोले – महाराज! यो तुम्हइँ गड़बड़घोटाला कीन हउ। अब तुम्हहीं येहका पव्यारौ. किरपा करिकै ई पापिन का फिर ते धरती माँ छाँड़ि आव; काहे ते, पाप गंगा के नहाए ते नहीं, अच्छे करमन ते खतम ह्वात हैं। अब किरपा करिकै अइस भूल न किहेंव।

(ख) ए नी बांस घुघुति रुण झूण

मेरी ईजू सुणलि रूण झूण

पार धारा का रूखा का भूणी

के चाँणोछी पागलि तू उड़ि

तेरी दाशा देखि लागि जाँछ

मैं निश्वास घुघुति रूण झूण

ए नी बांस

अथवा

कायापुर घर हउए, पानी से बनावल गउए,

अचरज अकथ ह नाम हो बिदेसिया।

चललीं बहरवा से, कनवाँ परल मोरा,

सती का बिपति के मोटरिया बिदेसिया ।

हउईं बटोहिया, लागल जब मोहिया,

त जोहिया लगाइ कर आईंलीं बिदेसिया ।

तोहरा जननवा के, असरा लागल बाटे

कब आइके देब दरसनवां बिदेसिया ।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) बुझौवल (7)

अथवा

सोहर

(ii) खयाल (6)

अथवा

लोरिक

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4277 **C**

Unique Paper Code : 12057502

Name of the Paper : Hindi Bhasha Ka Vyavaharik Vyakaran

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्यंजन किसे कहते हैं? हिंदी व्यंजनों का वर्गीकरण कीजिए। (12)

अथवा

व्याकरण का अर्थ बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

2. स्रोत के आधार पर शब्द के भेद उदाहरण सहित लिखिए। (12)

अथवा

विशेषण की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।

3. शब्द-निर्माण की प्रक्रिया में संधि और समास के महत्व पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

क्रिया की परिभाषा देते हुए सहायक क्रिया के भेद उदाहरण सहित लिखिए।

4. वाक्य को परिभाषित करते हुए रचना के आधार पर वाक्य के भेद लिखिए। (12)

अथवा

वाक्य संरचना के अंतर्गत 'अन्विति' के नियम लिखिए।

5. निर्देशानुसार निम्नलिखित के उत्तर दीजिए - (2×6=12)

(क) किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

महाकवी, परीभाषित, साशन, पददलीत, व्यवहरिक, कुटील, तकदिर, चरचित

(ख) 'आवट' और 'आलु' प्रत्यय से बनने वाले दो-दो शब्द लिखिए।

(ग) किन्हीं **चार** शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए :

वीरांगना, अधिकांश, पुष्पांजलि, प्राणायाम, वृक्षारोपण, गजानन, न्यायाधीश, भोजनालय

(घ) किन्हीं **चार** का विग्रह करके समास बताइए :

अकाल पीड़ित, गिरिधर, अपना पराया, आजीवन, तिरंगा, अधपका, डाक गाड़ी, ऋण मुक्त

(ङ) किन्हीं **चार** का रूप परिवर्तन करके भाववाचक संजा बनाइए :

इंसान, चोर, अपना, अच्छा, बच्चा, काटना, ऊपर, कटु

(च) वाक्य शुद्ध करके लिखिए :

(i) पुस्तक मेज पर रखा है।

(ii) वह लोग कहां रहता है?

(iii) मेरे तो यहां अनेकों लोग परिचित हैं।

(iv) आजकल दोस्त सबसे कम बहुत मिलते हैं।

6. टिप्पणी लिखिए : (8,7)

(क) स्वरों के भेद

अथवा

मात्राएँ

(ख) विराम-चिह्न

अथवा

वाक्य के अंग

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4278 **C**

Unique Paper Code : 12057503

Name of the Paper : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi, CBCS, DSE-1**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. आदिवासी विमर्श की पहचान और अवधारणा पर प्रकाश डालिए । (15)

अथवा

दलित स्त्रीवाद के प्रमुख सरोकारों की विवेचना कीजिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं **तीन** अंशों की व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) चायवाला उसके ठीक सामने तनकर खड़ा हो गया। दोनों हाथ कूल्हों पर टिकाकर सीना चौड़ा करते हुए बोला, "यो पैसे सहर में जाके दिखाणा। दो पैसे हो गए जेब में तो सारी दुनिया को सिर पे ठाये घूमो... ये सहर नहीं गाँव है... यहां चूहड़े-चमारों को मेरी दुकान में तो चाय ना मिलती... कहीं और जाके पियो।"

अथवा

कल शाम मोलवी इमाम आये थे। कहने लगे कि मेहर जितना ज्यादा बंधवा लो, उससे क्या फायदा ! लड़के वाले शान में आकर राजी हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें देना तो एक छदाम नहीं है। दिल को बहलाना है, जितने का बंधवा लो, वरना इस्लाम के मुताबिक तो निकाह के फौरन बाद मेहर की रकम की अदायगी का हुक्म है, मगर यहां सुनता कौन है! सब नए-नए कानून अपनी सहूलियत की वजह से बना रहे हैं। नाम इस्लाम का ले रहे हैं, मगर मैं सोचती हूं, चाहे पहले या चाहे बाद में देने वाले तो देते हैं।

(ख) हमनी के इनरा के निगिचे न जाइलेजा
पांके में से भरि-भरि पिअतानी पानी।
पनहीं से पिटि-पिटी हाथ गोड़ तुरि दैलें,
हमनी के एतनी काही के हलकानी ।।

अथवा

इतना सुनना था कि अधर में त्रटकती हुई
एक अदृश्य टहनी से
टिड्डियां उड़ीं और रंगीन अफवाहें
चींखती हुई चीं-चीं
'दुश्चरित्र महिलाएं, दुश्चरित्र महिलाएं
किन्हीं सरपरस्तों के दम पर फूली फैलीं
अगरधत्त जंगल बताएं!
खाती - पीती सुख से ऊबी
और बेकार बेचौन, आवारा महिलाओं का ही
शगल हैं ये कहानियां और कविताएं।
फिर, ये उन्होंने थोड़े ही लिखी हैं।'
(कंनखियां इशारे, फिर कनखी)
बाकी कहानी बस कनखी है।
है परमपिताओं,
परमपुरुषों -
बख्शो, बख्शो, अब हमें बख्शो !

(ग) वह भादों की उमस भरी दुपहरिया और चुपचाप बैठे रहना। सारा अस्तित्व हिचकोले खा रहा था। अम्मा मेरा अपराध क्या है? क्या महीने-के-महीने टाँगों के बीच रिसता हुआ खून मुझे अच्छा लगता है? और इसके कारण कैसी अजीब-सी आत्मग्लानि, अपराधबोध से मन खारा क्यों हो जाता है? गीता को तो अभी तक कुछ नहीं हुआ। फिर मुझे ही क्यों? पाँच बजे शाम को दाई मां ने बरामदे का दरवाजा खोला। अम्मा ने धीरे से हिदायत

दी, "सब पूर-पल्ला धोकर फेंकना, किसी की नजर नहीं पड़े।" गीता, किशन, पुष्पा और छोटे भैया मोनोपली खेल रहे थे। किशन ने मुझे देखते ही चिढ़ाया, "हे... है... अछूत कन्या.. अछूत कन्या !" शर्म से सारा शरीर झुक गया। तो इन लोगों को भी मालूम था ! छत पर फिर एक करमकांड। खून से सने कपड़े को धोना।

अथवा

कोई नियम, कोई आदर्श सब काल और सब परिस्थितियों के लिए नहीं बनाया जाता; सब में समय के अनुसार परिवर्तन संभव ही नहीं, अनिवार्य हो जाते हैं। प्राचीन आधार-शिला को बिना हटाये हुए हम उस पर वर्तमान का निर्माण करके अपने जीवन के मार्ग को प्रशस्त करते रह सकते हैं, अन्यथा कोई प्रगति संभव ही नहीं रहती। समाज ने स्त्री के संबंध में अर्थ का ऐसा विषय विभाजन किया है कि साधारण श्रमजीवी वर्ग से लेकर संपन्न वर्ग की स्त्रियों तक की स्थिति दयनीय ही कही जाने योग्य है।

3. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(क) दलित साहित्य की चेतना के निर्माण में डॉक्टर आंबेडकर के विचारों का योगदान।

(ख) पश्चिमी स्त्रीवादी आंदोलन का विकास।

(ग) 'सलाम' कहानी में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याएं।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 4281 **C**

Unique Paper Code : 12057506

Name of the Paper : कोश विज्ञान: शब्द कोश और विश्व कोश (SEC)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi CBCS-DSE-2**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कोश का अर्थ बताते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

(12)

अथवा

P.T.O.

कोश के उपयोग के प्रमुख नियमों में अनुसार एवं अनुनासिक और संयुक्त व्यंजन वर्ण का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

2. कोश निर्माण में प्रविष्टि (वर्तनी, क्रम, व्याकरणिक कोटि और स्रोत) की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

कोश निर्माण में शब्द प्रयुक्ति से आप क्या समझते हैं? वर्णन कीजिए।

3. भाषा के आधार पर कोश के प्रकारों का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

कोश के वर्गीकरण के प्रमुख प्रकार कौन से हैं?

4. ज्ञान मंडल द्वारा प्रकाशित हिन्दी-हिन्दी शब्दकोश का परिचय दीजिए। (12)

अथवा

फादर कामिल बुल्के के अंग्रेज़ी-हिन्दी शब्द कोश की विशेषताएँ लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** का उत्तर दीजिए : (९,९,९)

(i) ई कोश

(ii) निम्नलिखित शब्दों को अंग्रेज़ी वर्णानुक्रम में लिखिए :

ABSCONDER, ABSTRACT, ABSOLUTE, ABSENTEE, AMENDMENT, AMBIGUOUS, ALTERNATIVE, ALLOWANCE, ALLEVIATION

(iii) हिंदी कोश के वर्णानुक्रमासार लिखिए :

आदर, अंक, अश्रु, आबकारी, आईना, आयात, आक्रमण, क्षत्रप, ज्ञात

(iv) अंग्रेज़ी पारिभाषित शब्दावली के हिंदी रूप लिखिए :

OWNERSHIP, AFFORDABLE PRICE, BASIC PAY, BIRTH CONTROL, CENTRALISATION, DIFFERENTLY ABLED, DIRECTOR, FAMILY WELFARE, FINANCIAL YEAR

(v) हिंदी पारिभाषिक शब्दावली के अंग्रेज़ी रूप लिखिए :

तत्काल प्रभाव, अनुसूचित जनजाति, अचल सम्पत्ति, आयकर विभाग, औद्योगिकरण, राजस्व, बीमा, संवैधानिक अधिकार, पारदर्शी

B.A (H) Hindi I, III & V Sem
Dec 2022